MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Media Coverage Report

Case Study: Fincare Small Finance Bank: Fulfilling Dreams of the Underprivileged

Region: Rajasthan

Date of Dissemination: October 15, 2020

Media Coverage Index

S. No.	Date	Publication Name	Edition
1.	17.10.2020	Dainik Adhikar	Rajasthan [All Editions]
2.	17.10.2020	The Public Side	Rajasthan [All Editions]
3.	18.10.2020	Uday Today	Rajasthan [All Editions]
4.	18.10.2020	Dainik Bhor	Rajasthan [All Editions]

Publication	Dainik Adhikar
Edition	Rajasthan [All Editions]
Date	17th October, 2020
Page No.	05

फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक आकांक्षी महिलाओं का मददगार बना

बूंदी (एजेंसी)। कौशल्या राजस्थान के एक छोटे से गांव बोरखंडी की हैं। वे खराब आर्थिक स्थिति से जूझ ही रही थीं, कि तभी उनके पति की अचानक मौत हो गई। अपनी खराब आर्थिक स्थिति और इकलौते बच्चे की जिम्मेदारियों को पूरा न कर पाने के दबाव में वह आत्महत्या के बारे में सोच रही थीं। एक बेरोजगार विधवा से लेकर सफल उद्यमी बनने तक की कौशल्या की यात्रा काफी प्रेरणादायक है।पैसे न होने से उनकी उम्मीद धुंधली होती जा रही थी, लेकिन एक दिन वे अग्रणी माइक्रोक्रेडिट प्रदाता फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक गईं, जहाँ उन्हें अपने सपने पूरे करने की उम्मीद दिखाई दी। वह तुरंत फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की सदस्य बन गईं और सितंबर 2017 में अपना उद्यम आरम्भ करने के लिए 25,000 रुपये के प्रथम ऋण के लिए आवेदन दिया। समय के साथ वह एक दिन में 60-70 टिफिन डिलीवरी करने लगीं और उसकी कुल कमाई में बढ़ोतरी हुई। अपने पहले ऋण चक्र के अंत तक उन्होंने सालाना 40,000 हजार रुपए की कमाई शुरू कर दी। अपनी सफलता का श्रेय फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक को देते हुए कौशल्या ने कहा कि, अगर जरूरत के समय में फिनकेयर ने हमारी मदद नहीं की होती, तो मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं होता। वे दूरदराज के स्थानों में महिलाओं को सशक्त बनाने का एक बड़ा काम कर रहे हैं, जहां वित्तीय संसाधनों तक पहुंच मुश्किल है।

Publication	The Public Side
Edition	Rajasthan [All Editions]
Date	17th October, 2020
Page No.	03

फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक आकांक्षी महिलाओं का मददगार बना

बूंदी। कौशल्या राजस्थान के एक छोटे से गांव बोरखंडी की हैं। वे खराब आर्थिक स्थिति से जूझ ही रही थीं कि तभी उनके पति की अचानक मौत हो गई। अपनी खराब आर्थिक स्थिति और इकलौते बच्चे की जिम्मेदारियों को पूरा न कर पाने के दबाव में वह आत्महत्या के बारे में सोच रही थीं। एक बेरोजगार विधवा से लेकर सफल उद्यमी बनने तक की कौशल्या की यात्रा काफी प्रेरणादायक है। पैसे न होने से उनकी उम्मीद धुंधली होती जा रही थी, लेकिन एक दिन वे फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक गईं, जहाँ उन्हें अपने सपने पूरे करने की उम्मीद दिखाई दी। वह तुरंत फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की सदस्य बन गईं और सितंबर 2017 में अपना उद्यम आरम्भ करने के लिए 25,000 रुपये के प्रथम ऋण के लिए आवेदन दिया। समय के साथ वह एक दिन में 60-70 टिफिन डिलीवरी करने लगीं और उसकी कुल कमाई में बढ़ोतरी हुई। अपने पहले ऋण चक्र के अंत तक उन्होंने सालाना 40,000 हजार रुपए की कमाई शुरू कर दी। अपनी सफलता का श्रेय फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक को देते हुए कौशल्या ने कहा कि, अगर जरूरत के समय में फिनकेयर ने हमारी मदद नहीं की होती, तो मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं होता। वे दूरदराज के स्थानों में महिलाओं को सशक्त बनाने का एक बड़ा काम कर रहे हैं, जहां वित्तीय संसाधनों तक पहुंच मुश्किल है।

Publication	Uday Today
Edition	Rajasthan [All Editions]
Date	18th October, 2020
Page No.	03

फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक आकांक्षी महिलाओं का मददगार बना

उदय टडे, बूंदी। कौशल्या राजस्थान के एक छोटे से गांव बोरखंडी की हैं। वे खराब आर्थिक स्थिति से जूझ ही रही थीं, कि तभी उनके पति की अचानक मौत हो गई। अपनी खराब आर्थिक स्थिति और इकलौते बच्चे की जिम्मेदारियों को पूरा न कर पाने के दबाव में वह आत्महत्या के बारे में सोच रही थीं। एक बेरोजगार विधवा से लेकर सफल उद्यमी बनने तक की कौशल्या की यात्रा काफी प्रेरणादायक है। पैसे न होने से उनकी उम्मीद धुंधली होती जा रही थी, लेकिन एक दिन वे अग्रणी माइक्रोक्रेडिट प्रदाता फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक गईं, जहाँ उन्हें अपने सपने पूरे करने की उम्मीद दिखाई दी। वह तुरंत फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की सदस्य बन गईं और सितंबर 2017 में अपना उद्यम आरम्भ करने के लिए 25,000 रुपये के प्रथम ऋण के लिए आवेदन दिया। समय के साथ वह एक दिन में 60-70 टिफिन डिलीवरी करने लगीं और उसकी कुल कमाई में बढ़ोतरी हुई। अपने पहले ऋण चक्र के अंत तक उन्होंने सालाना 40,000 हजार रुपए की कमाई शुरू कर दी। अपनी सफलता का श्रेय फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक को देते हुए कौशल्या ने कहा कि, अगर जरूरत के समय में फिनकेयर ने हमारी मदद नहीं की होती, तो मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं होता। वे दूरदराज के स्थानों में महिलाओं को सशक्त बनाने का एक बड़ा काम कर रहे हैं, जहां वित्तीय संसाधनों तक पहुंच मुश्किल है। अपने पहले ऋण की सफल चुकौती के बादउन्होंने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक से कुछ और ऋण लिए। कौशल्या अब 40,000 के अपने चैथे ऋण चक्र से गुजर रही हैं और इसका इस्तेमालअपनी टिफिन सर्विसको बेहतर बनाने के लिए कर रही हैं। आज उनका बेटा भी अपनी माँ के व्यवसाय को बढ़ाने में मदद कर रहा है।

Publication	Dainik Bhor
Edition	Rajasthan [All Editions]
Date	18th October, 2020
Page No.	03

फ्लिकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक आकांक्षी महिलाओं का मददगार बना

बूंदी। कौशल्या राजस्थान के एक छोटे से गांव बोरखंडी की हैं। वे खराब आर्थिक स्थिति से जूझ ही रही थीं, कि तभी उनके पति की अचानक मौत हो गई। अपनी खराब आर्थिक स्थिति और इकलौते बच्चे की जिम्मेदारियों को पूरा न कर पाने के दबाव में वह आत्महत्या के बारे में सोच रही थीं। एक बेरोजगार विधवा से लेकर सफल उद्यमी बनने तक की कौशल्या की यात्रा काफी प्रेरणादायक है।पैसे न होने से उनकी उम्मीद धुंधली होती जा रही थी, लेकिन एक दिन वे अग्रणी माइक्रोक्रेडिट प्रदाता फ्लिकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक गईं, जहाँ उन्हें अपने सपने पूरे करने की उम्मीद दिखाई दी। वह तुरंत फ्लिकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की सदस्य बन गईं और सितंबर 2017 में अपना उद्यम आरम्भ करने के लिए 25,000 रुपये के प्रथम ऋण के लिए आवेदन दिया। समय के साथ वह एक दिन में 60-70 टिफ्लि डिलीवरी करने लगीं और उसकी कुल कमाई में बढ़ोतरी हुई। अपने पहले ऋण चक्र के अंत तक उन्होंने सालाना 40,000 हजार रुपए की कमाई शुरू कर दी। अपनी सफलता का श्रेय फ्लिकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक को देते हुए कौशल्या ने कहा कि, अगर जरूरत के समय में फ्लिकेयर ने हमारी मदद नहीं की होती, तो मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं होता। वे दूरदराज के स्थानों में महिलाओं को सशक्त बनाने का एक बड़ा क़ाम कर रहे हैं, जहां वित्तीय संसाधनों तक पहुंच मुश्किल है। अपने पहले ऋण की सफल चुकौती के बादउन्होंने फ्लिकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक से कुछ और ऋण लिए। कौशल्या अब 40,000 के अपने चौथे ऋण चक्र से गुजर रही हैं और इसका इस्तेमालअपनी टिफ्लि सर्विसको बेहतर बनाने के लिए कर रही हैं। आज उनका बेटा भी अपनी माँ के व्यवसाय को बढ़ाने में मदद कर रहा है।